ECONOMICS

By

Mustafa Nawaz

Astt. Professor, LSW

Shershah College, Sasaram

उद्योग (Industry):

- उद्योग का अर्थ होता है एक समान उत्पाद या सेवा उपलब्ध कराने वाला क्षेत्र।
- जैसे हम ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री कहें तो इसमें कार, ट्रक, मोटरसाइकिल एवं इनके कल पुर्जे बनाने वाली जितनी कंपनियां हैं, चाहे वह मारुति की हो, टाटा की हो, महिंद्रा की हो या अशोक लीलैंड सब इसमें शामिल हो जाएंगी और हर कंपनी के अधीन अनेक फैक्ट्रियां होंगी।
- Industry > Company > Factory

1. कंपनी एक विधिक व्यक्ति होता है एवं कंपनी एक्ट के अधीन इसकी स्थापना होती है। कंपनी का कोई भी मालिक नहीं होता है।
2. फैक्ट्री की स्थापना फैक्ट्री एक्ट के अधीन होती है। इसके अनुसार कोई परिसर जहां दस व्यक्ति बिजली की सहायता से या बीस व्यक्ति बिना बिजली की सहायता से पिछले बारह महीनों में किसी भी दिन कार्य किए हों तथा उत्पादन हुआ हो तो उसे फैक्ट्री कहेंगे।

औद्योगिकीकरण(Industrialization) के लाभ :

- रोजगार सृजन
- प्रतिभा पलायन पर रोक
- निर्यातों में वृद्धि
- क्षमता निर्माण
- नगरीकरण
- पूंजी का अंतःप्रवाह

औद्योगिक नीति :

- किसी राष्ट्र के अर्थव्यवस्था में उसके अनुरूप औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक नीति बनाई जाती है।
- भारत में औद्योगिक नीतियों का निर्माण मूलतः मिश्रित अर्थव्यवस्था के अनुरूप सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र के बीच सामंजस्य स्थापित करने के उद्देश्य से किया जाता है।
- उदारीकृत अर्थव्यवस्था में भारत को बेहतर बनाए रखने तथा मिश्रित अर्थव्यवस्था की परंपराओं को सुदृढ बनाने के लिए नई औद्योगिक नीति सन 1991 में घोषित की गई थी।

नई औद्योगिक नीति के प्रमुख तत्व :

- देश के पिछड़े क्षेत्रों में औद्योगिकीकरण को प्रोत्साहन
- स्वदेशी तकनीक के विकास को प्राथमिकता
- औद्योगिक लाइसेंस का सरलीकरण
- सार्वजनिक क्षेत्र में विनिवेश को बढ़ावा
- पूंजी बाजार का सुदृढ़ीकरण
- श्रमिकों की कार्यकुशलता में वृद्धि ....

- प्रत्येक स्तर पर उद्यमशीलता का विकास
- लघु उद्योगों का विकास तथा उनमें तकनीकी सुधार
- प्रौद्योगिकी उन्नयन के लिए अंतरराष्ट्रीय तकनीकी समझौतों को स्वीकृति
- बेहतर श्रम प्रबंधन
- निर्यात के आधार का विस्तार।

सारांश:

- औद्योगिक क्षेत्र कृषि तथा सेवा दोनों को ही समर्थन देता है। इस कारण औद्योगिक सुधारों के फलस्वरूप कृषि और सेवा दोनों क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के लिए अनिवार्य था।

THANK YOU